Hitch of India

ग्रसाधाररा

EXTRAORDINARY

भाग II-- सण्ड 3-- उपलब्ह (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार संप्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 483] नई विस्ली, बृहस्पतिवार, विसम्बर 26, 1968/पौष 5, 1890 No. 483] NEW DELHI, THURSDAY, DECEMBER 26, 1968/PAUSA 5, 1890

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह प्रथम संकलन के रूप में रखा जा सके। Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compliation.

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Economic Affairs)

(Stock Exchange Division)

NOTIFICATION

New Delhi, the 24th December 1968

S.O. 4641.—In exercise of the powers conferred by section 4 of the Securities Contracts (Regulation) Act, 1956 (42 of 1956), the Central Government hereby directs that the following further amendment shall be made, with effect from the 16th December, 1968, in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Economic Affairs, Stock Exchange Division) No. S.O. 3302 dated the 14th September, 1967, and published in the Gazette of India Extraordinary Part II, section 3, sub-section (ii), dated the 15th September, 1967, namely:—

In the said notification, in condition (5), for the words "fifteen months", the words "seventeen months" shall be substituted.

[No. F. 1/18/SE/67.]

S. S. SHIRALKAR, Addl. Secy.

वित्त मंत्रालय

ग्रर्थ विभाग

(दोयर बाजार प्रभाग)

ग्रधिसूचना

नई दिल्ली, 24 दिसम्बर, 1968

सां० ग्रा० 4642—प्रतिभूति करार (विनियमन) भ्रिधिनियम 1956 (1956 का 42वां) की धारा 4 द्वारा प्रदत्त श्रिधकारों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, एतद् द्वारा निदेश देती है कि विश्त मंद्रासय (श्रर्थ विभाग, गेयर बाजार प्रभाग) के श्रन्तर्गत श्रधिसूचना में 14 सितम्बर, 1967 के भारत सरकार के सां० श्रा० मंख्या 3302 में, जो भारत सरकार के श्रसाधारण राजपत्न के भाग II खण्ड 3 उपखण्ड (ii) दिनांक 15 सितम्बर, 1967 के श्रंक में प्रकाशित किया गया था, निम्नलिखित श्रीर संशोधन किया जायेगा श्रर्थात् :

उन्त अधिसूचना में दी गयी पांचवी शर्त में "पन्द्रह महीने" शब्दों के स्थान पर "सब्रह महीने" शब्द पढ़े जायें ।

[मं॰ एफ॰ 1 18 एम॰ ई॰ 67] श्री० श्री० शिरालकर, श्रातिश्कित शिचार